फिरकी

Firkee बच्चों की त्रैमासिक पत्रिका

अंक 3 • जनवरी-मार्च, 2012

जलेबी

जलेबी चौक की,
जलेबी मशहूर है,
जलेबी चौक तो,
यहाँ से बड़ी दूर है।

जलेबी चौक हम सब
छुट्टी के दिन जाएँगे,
गरम-गरम जलेबी तो,
हम खाकर ही आएँगे।

-प्रभात

फिरकी

Firkee बच्चों की

द्विभाषिक पत्रिका

अंक-3 • जनवरी-मार्च, 2012

निःशुल्क वितरण हेतु/For free distribution

इस अंक में

जलेबी	2
बातूनी कछुआ	4-7
Once I saw a little bird	8
सरसों का खेत	9-10
पहेली	11
बबीता का बस्ता	12-13
My Cat Nimki	14-15
'N' is for Nimki	16
मेरा अनुभव	17
चकई के चकदुम	18-19
कौवे का घर	20-21
कुछ तुम लिखो कुछ हम लिखें	22
पानी	23
देखो, मैंने क्या बनाया	24

बातूनी कछुआ

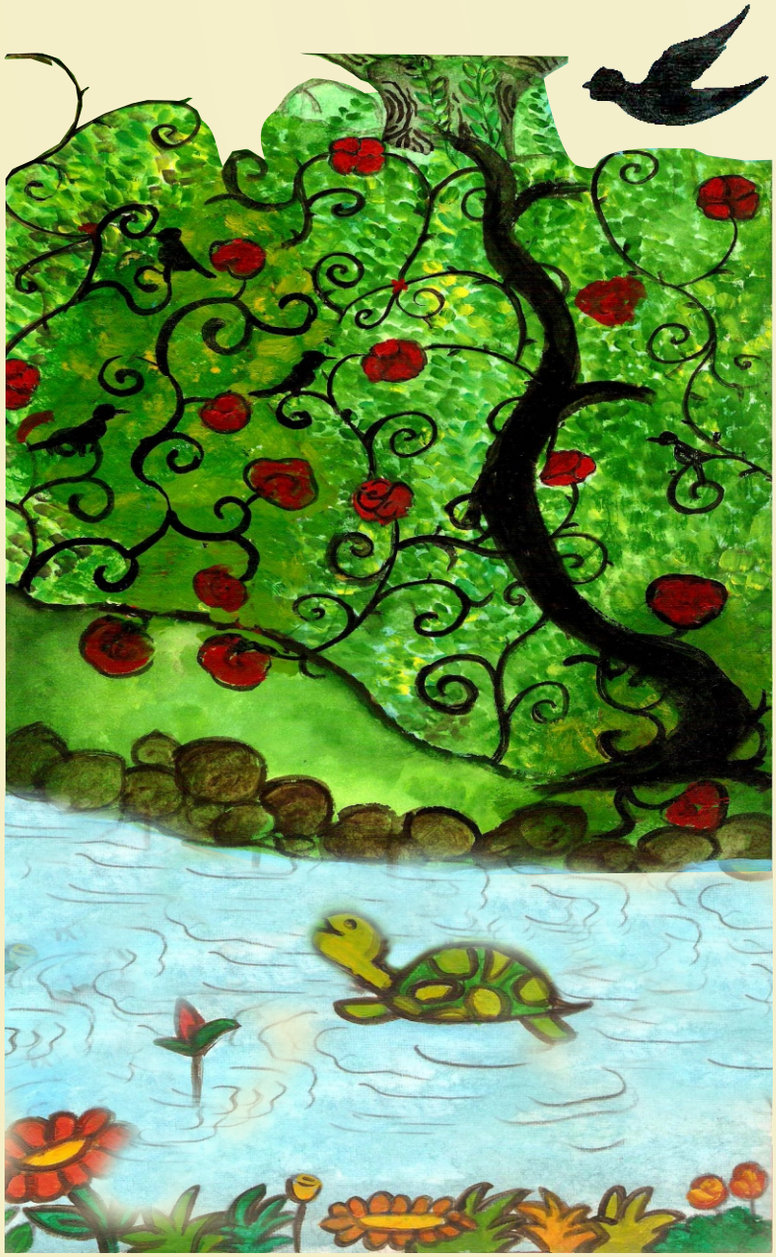

एक तालाब में एक कछुआ
रहता था। उसका नाम ननकू था।

ननकू खूब बातें करता था।
उसके दोस्त थे–दो बगुले!

एक बार खूब गर्मी पड़ी।
तालाब का पानी सूखने लगा।
तीनों दोस्त परेशान हो गए।

एक बगुला बोला–
"अब हम क्या करें?"
दूसरे बगुले ने कहा–
"वहाँ दूर एक तालाब है।
हम वहीं चलेंगे।"
ननकू बोला–
"लेकिन मैं कैसे जाऊँगा?"

बगुलों ने कहा, "घबराओ मत ननकू!
हम तुम्हें ले जाएँगे। तुम इस डंडी को अपने
मुँह से पकड़ लो। बस, तुम बातें मत करना!"

लोगों ने देखा कि कछुआ
कैसे उड़ा जा रहा है! वे हँसने लगे।

लोगों को हँसते देख ननकू को गुस्सा आ गया। उसने कुछ बोलने के लिए मुँह खोला ही था कि उसके मुँह से डंडी छूट गई।

बताओ, फिर क्या हुआ होगा?

Once I saw a little bird

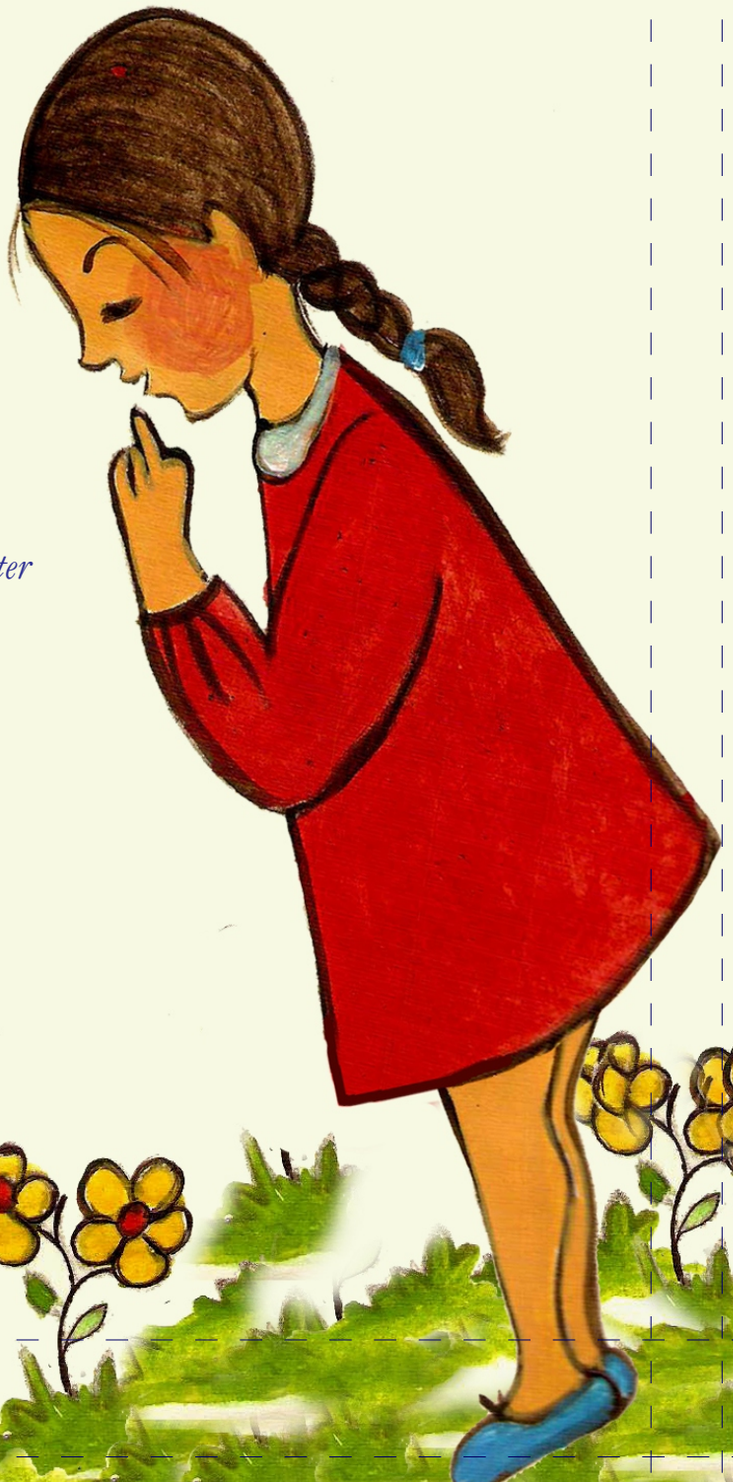

Once I saw a little bird,
Come hop! hop! hop!
So I cried, "Little bird!
Will you stop, stop, stop?"

-Beatrix Potter

सरसों के खेत

रेखा को सरसों के खेत बहुत अच्छे लगते हैं।

अब सरसों के खेत कट गए हैं तो...

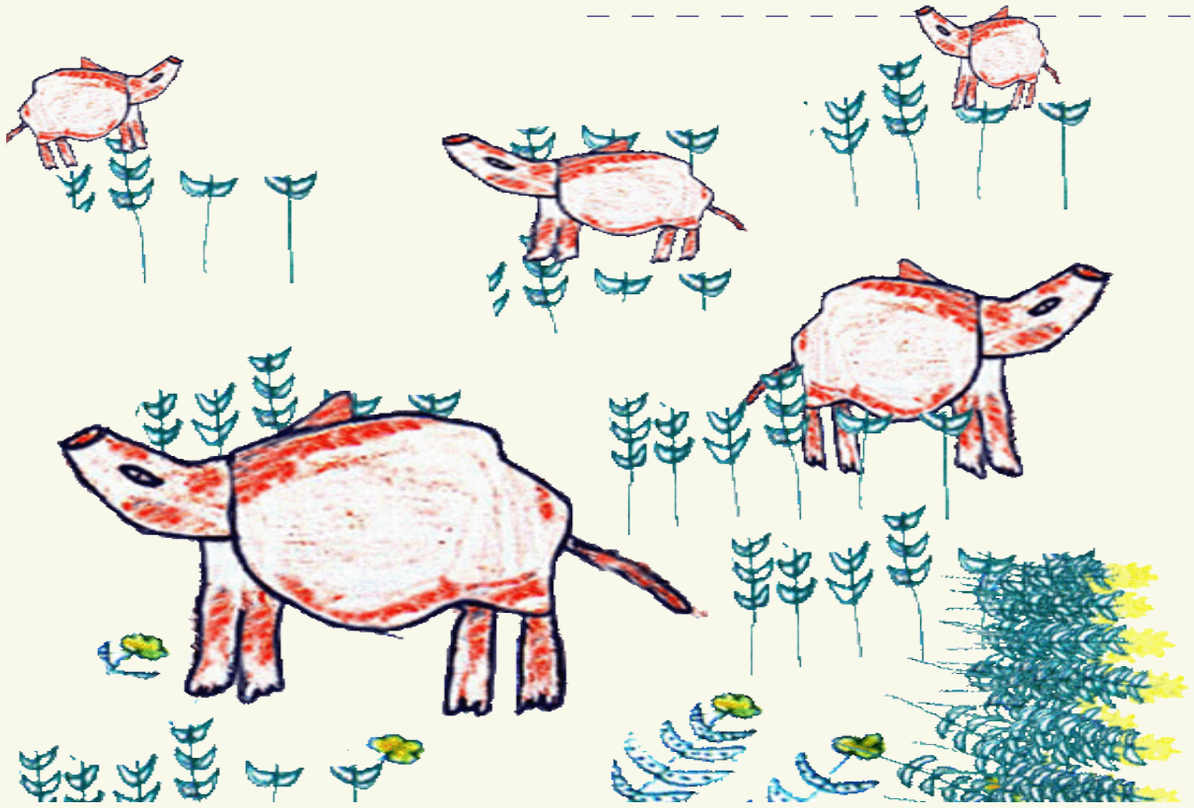

अब खेत में जानवर दिखाई देते हैं। उन्हें देखकर डर लगता है।

–प्रियंका, कक्षा 2 प्राथमिक विद्यालय रहीमपुर, फरह, मथुरा

पहचानो! यहाँ कौन-कौन है?

अहा! टमाटर...

बबीता का बस्ता

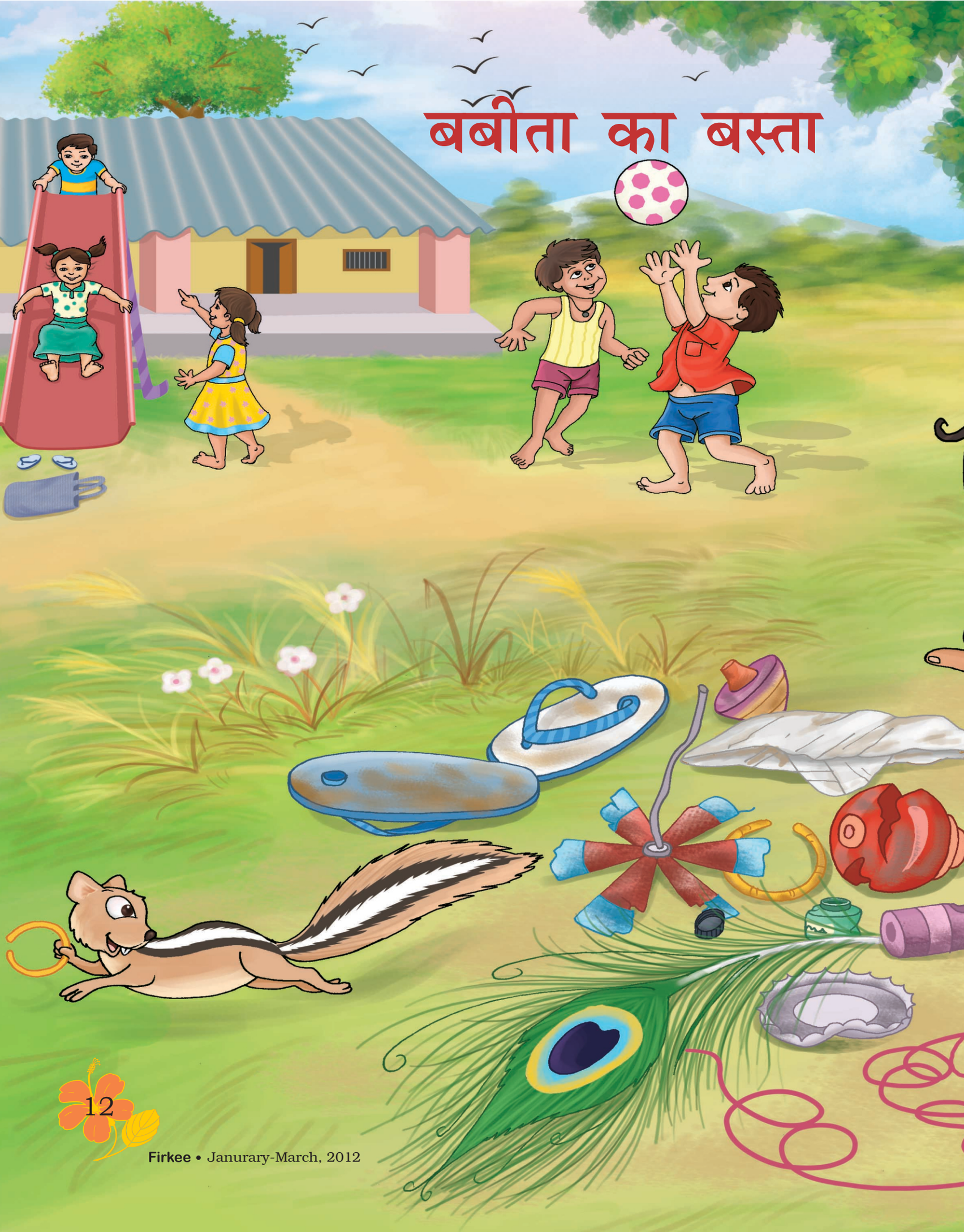

Nimki

-Meenakshi Khar

My cat Nimki keeps herself busy.

Nimki runs after mice.

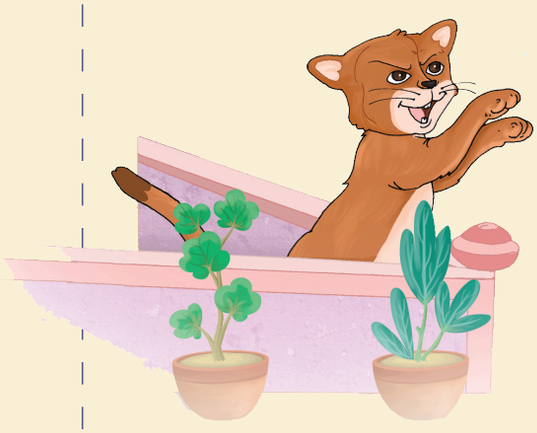

Nimki scares the birds away.

She laps up milk kept in the kitchen.

She gets tired and goes off to sleep.

N is for Nimki

N is for Nimki,
A thin brown cat.

N is for the neem tree.
with leaves green and bright.

N is for Neha, Neeraj and Neeta.

Look for the letter N in names of things
and people around you.

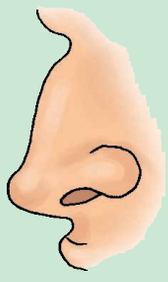

अगर मैं कॉकरोच होता....

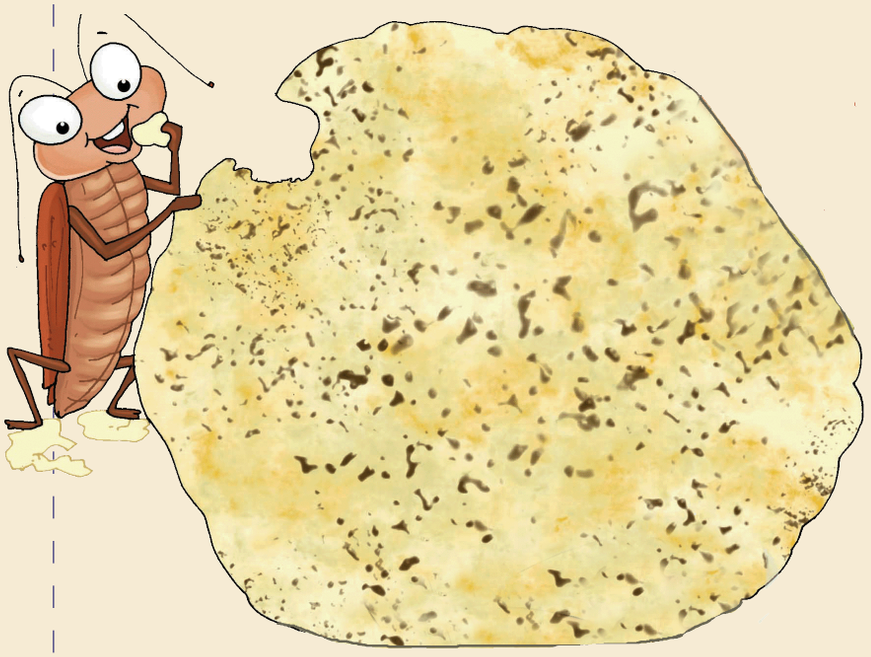

अगर मैं कॉकरोच होता तो शादी वाले तंबू में घुस जाता। तंबू में सब जगह घूमता। वहाँ घुसकर सबसे पहले गुलाब जामुन खाता, फिर पापड़ खाता। मीठी - मीठी चाय पीता।

टेबल पर खाने की जो भी चीज़ें मिलतीं, उन्हें चट कर जाता। टेबलों पर कूदता और मौज-मस्ती करता। कुर्सी पर तो मैं बैठता ही नहीं, वरना कोई आकर मेरे ऊपर बैठ जाता तो मैं तो पिचक ही जाता।

-सचिन, शा. वि. शंकराचार्य नगर, भोपाल

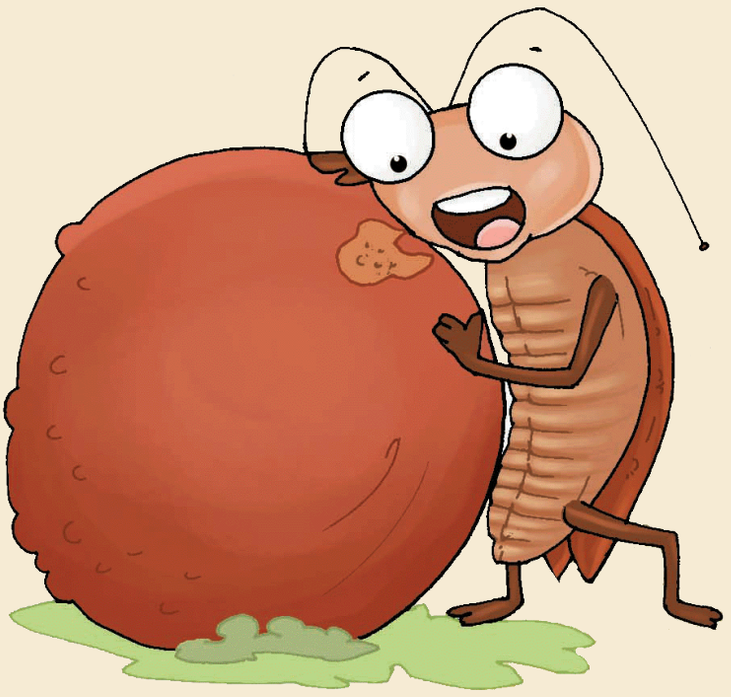

चकई के चकदुम

चकई के चकदुम,
चकई के चकदुम।

गाँव की मड़इया,
साथ रहें हम तुम,
चकई के चकदुम।

टेसू की गइया,
दूध पीयें हम तुम,
चकई के चकदुम।

कागज़ की नैया,
पार करें हम तुम,
चकई के चकदुम।

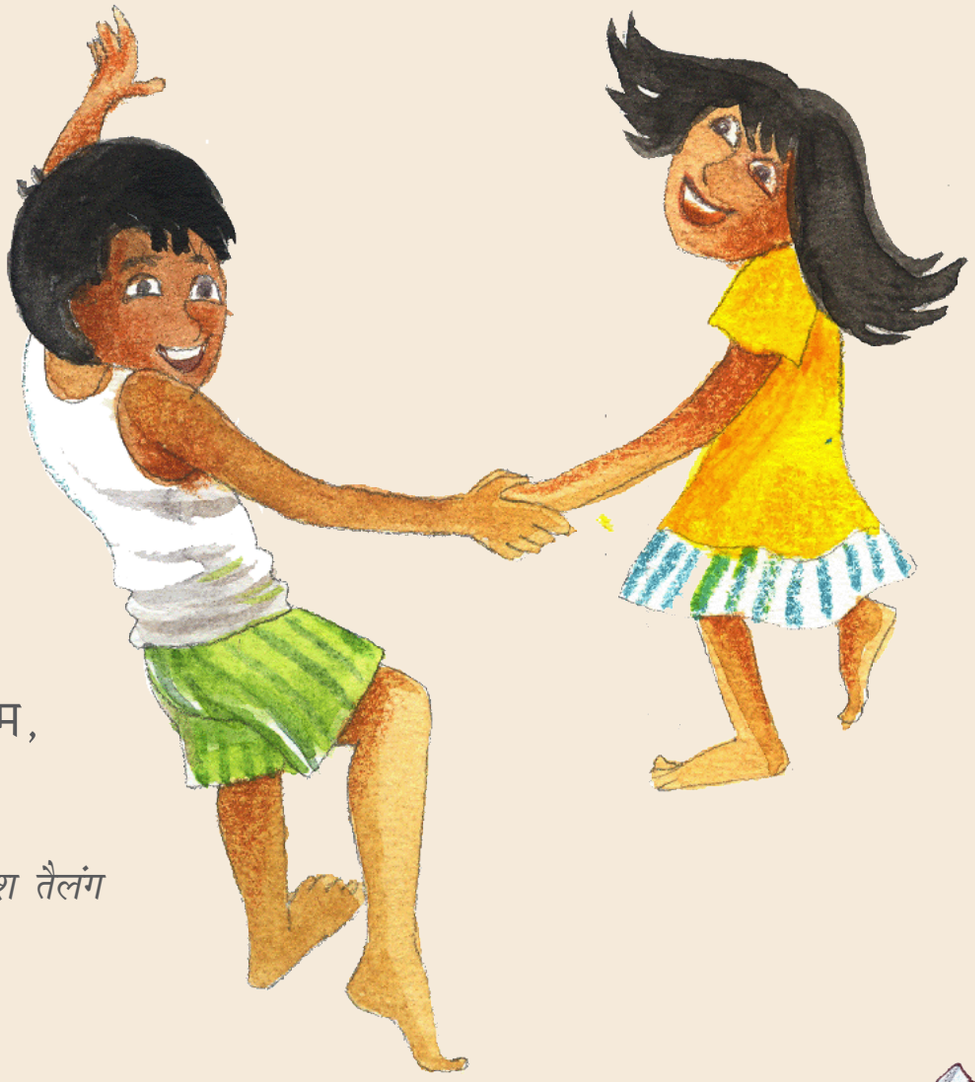

खेल खतम भइया,
आओ चलें हम तुम,
चकई के चकदुम।

–रमेश तैलंग

कौवे का घर

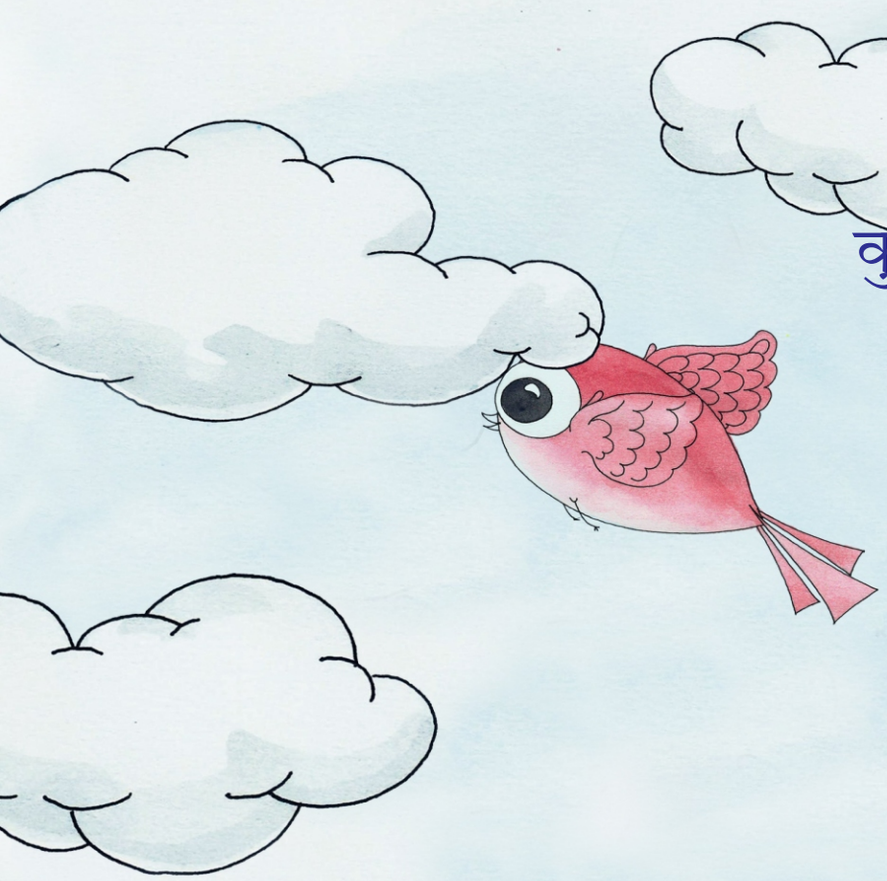

कुछ तुम लिखो कुछ हम लिखें

किट-किट, किट-किट,
किट-किट, किट-किट,
कीड़ा बोला घास में,
बोलो एक साँस में।

फर-फर, फर-फर,
फर-फर, फर-फर,
चिड़िया उड़ी आकाश में,
बोलो एक साँस में।

टप-टप, टप-टप,
टप-टप, टप-टप,
.....,
बोलो एक साँस में।

छुक-छुक, छुक-छुक,
.....,
.....,
बोलो एक साँस में।

-सुशील शुक्ल

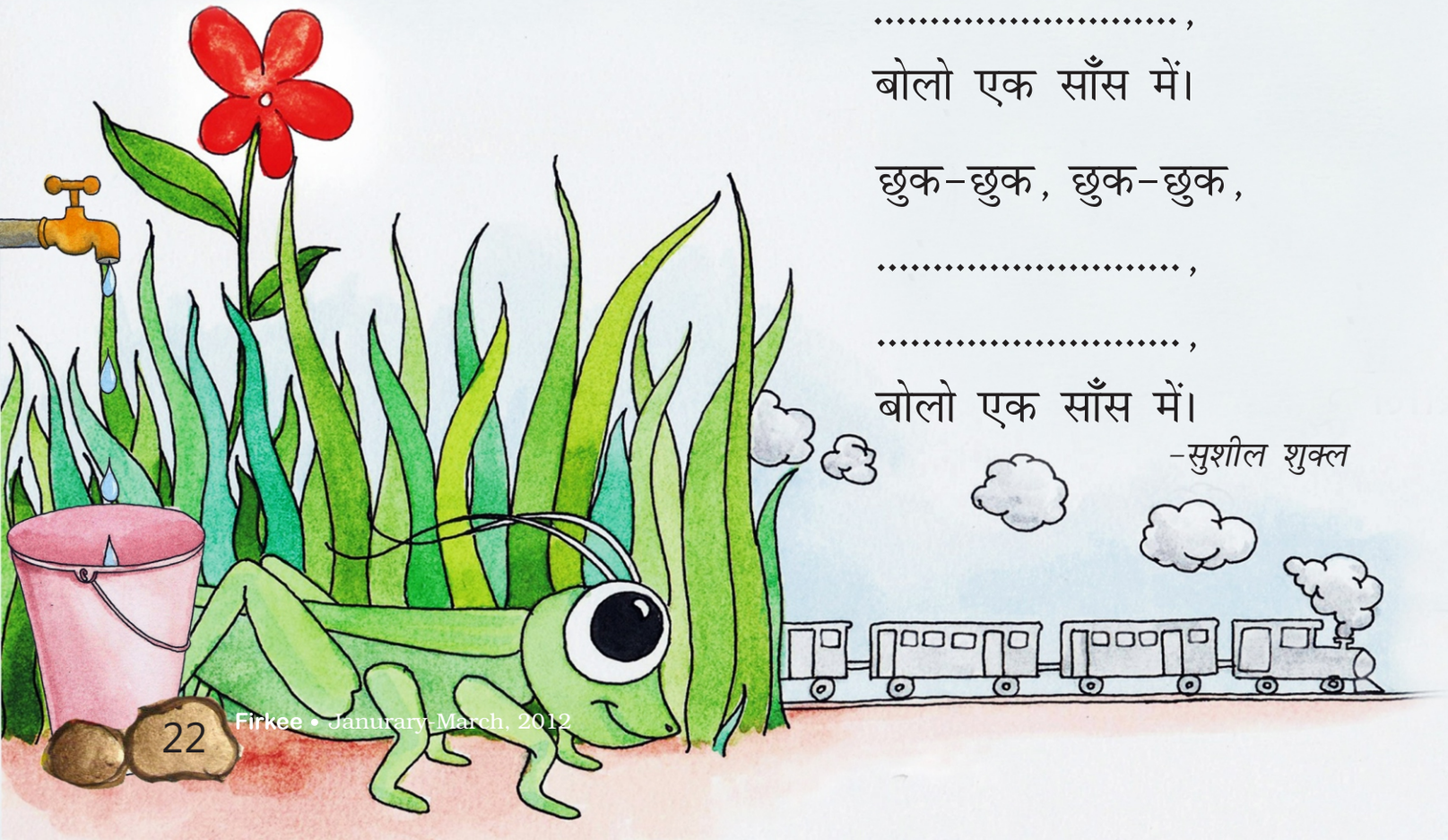

पानी

बादल की गड़-गड़,
हवा की सर-सर,
बारिश की रिमझिम,
बूँदों की टप-टप,
पाँव करें छप-छप,
हाथ करें थप-थप।

-विष्णु गोपाल

संपादक मंडल

कार्यकारी संपादक - उषा शर्मा एवं मीनाक्षी खार
संपादन मंडल - उषा दत्ता, कीर्ति कपूर, ज्योत्स्ना तिवारी, मंजुला माथुर, राजाराम शर्मा, लता पांडे एवं संध्या सिंह
परामर्शदाता मंडल - अतनु राय, केदारनाथ सिंह, कृष्ण कुमार, प्रभात कुमार झा, प्रयाग शुक्ल, बाल शौरि रेड्डी, मालविका राय, रमेश थानवी, रामजन्म शर्मा, श्रीप्रसाद एवं सुशील शुक्ल
सहयोग - अर्चना, तान्या सूरी, प्रमोद कुमार तिवारी, बसंती, रचना ठाकुर, सच्चिदानंद, सारिका वशिष्ठ, सुनीता माथुर एवं सोनिका कौशिक
चित्रांकन - तापोशी घोषाल, निधि वाधवा, बारान इजलाल, मानसी सिन्हा, रुचिन सोनी
साज-सज्जा - नीलम चौधरी, मानसी सिन्हा

प्रकाशन सहयोग

अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग : अशोक श्रीवास्तव
मुख्य संपादक (प्रभारी) : नरेश यादव
मुख्य उत्पादन अधिकारी : शिव कुमार
मुख्य व्यापार अधिकारी : गौतम गांगुली
उत्पादन अधिकारी : अरुण चितकारा

प्रकाशन सहयोग

* प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुनः प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
* इस दस्तावेज़ की आंशिक या समग्र रूप से समीक्षा, सारांश, पुनः उत्पादन अथवा अनुवाद किया जा सकता है लेकिन इसे न तो विक्रय के लिए और न ही किसी व्यावसायिक उद्देश्य के लिए उपयोग में लाया जाए।
* इस पत्रिका की बिक्री इस शर्त के साथ की गई है कि प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना यह पत्रिका अपने मूल आवरण अथवा जिल्द के अलावा किसी अन्य प्रकार से व्यापार द्वारा उधारी पर, पुनर्विक्रय या किराए पर न दी जाएगी, न बेची जाएगी।

मनकेश मीना, सवाई माधोपुर, राजस्थान

ऋद्धि मेहता, उदयपुर, राजस्थान

देखो, मैंने क्या बनाया

अनूप मीना, सवाई माधोपुर, राजस्थान

जयदेव, उदयपुर, राजस्थान

सुझावों तथा प्रतिक्रियाओं के लिए संपर्क करें-
उषा शर्मा एवं मीनाक्षी खार (कार्यकारी संपादक)
प्रारंभिक साक्षरता कार्यक्रम,
कक्ष संख्या 310, चाचा नेहरू भवन,
एन. सी. ई. आर. टी., श्री अरविंद मार्ग,
नई दिल्ली 110016
दूरभाष- 01126560824
ईमेल- readingcell.ncert@gmail.com

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING
श्री अरविन्द मार्ग, नयी दिल्ली 110 016